जयपुर-दिल्ली हाईवे पर केमिकल से भरा टैंकर दूसरे वाहन से टकराया, हादसा टला

टैंकर दुर्घटनाग्रस्त होकर क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें से केमिकल का रिसाव शुरू हो गया

पावटा, (निसं)। जयपुर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-48 पर सोमवार देर रात उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब केमिकल से भरा एक टैंकर दुर्घटनाग्रस्त होकर क्षतिग्रस्त हो गया और उससे केमिकल का रिसाव शुरू हो गया। समय रहते पुलिस, प्रशासन और फायर ब्रिगेड की मुस्तैदी से बड़ा हादसा टल गया।

जानकारी के अनुसार पंजाब से जयपुर की ओर जा रहा केमिकल से भरा टैंकर प्रागपुरा थाना क्षेत्र के बालाजी होटल से कुछ दूरी पर पहुंचा। इसी दौरान चालक ने टैंकर को सर्विस रोड के रास्ते कोटपूतली की ओर मोड़ा, जहां केमिकल से भरे टैंकर की अन्य वाहन से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि टैंकर का केबिन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें भरा केमिकल सड़क पर रिसने लगा। प्रागपुरा थाना प्रभारी भजनाराम ने बताया कि दुर्घटना के बाद चालक केबिन में फंस गया था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय ग्रामीणों तथा क्रेन की सहायता से रेस्क्यू अभियान चलाया गया। कड़ी मशक्कत के बाद चालक को सुरक्षित बाहर निकालकर उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। चिकित्सकों के अनुसार चालक की हालत ठीक है। दुर्घटना के बाद टैंकर से लगातार केमिकल रिसाव होने के कारण प्रशासन ने एहतियातन सर्विस रोड के प्रभावित हिस्से पर यातायात रोक दिया। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने सड़क पर फैले केमिकल पर लगातार पानी का छिड़काव कर उसे साफ किया तथा संभावित खतरे को टालने में सफलता हासिल की। घटना के चलते कुछ समय तक क्षेत्र में यातायात प्रभावित रहा। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद रहे तथा सुरक्षा की दृष्टि से फायर ब्रिगेड को भी मौके पर तैनात रखा। वहीं पुलिस प्रशासन की तत्परता से स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में रही। दुर्घटना से जुड़े कारणों की जांच की जा रही है। प्रागपुरा थाना प्रभारी भजनाराम ने बताया कि मामले की जानकारी उच्च अधिकारियों व आबकारी विभाग एवं कंपनी मालिक को दी गई।

हादसे में टैंकर के आगे का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिगस्त हो गया।

- फायर ब्रिगेड और पुलिस की तत्परता से स्थिति पर काबू पाया और घायल चालक को रेस्क्यू कर अस्पताल पहुंचाया

पुलिस प्रशासन की त्वरित कार्रवाई और स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से एक संभावित बड़े हादसे को टाल दिया गया व टैंकर को एक तरफ करवाकर यातायात सुचारू करवाया, जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग पर आवागमन करने वाले हजारों यात्रियों ने राहत की सांस ली।

नीमराणा में पटवारी ने साढ़े चार हजार की रिश्वत ली

अलवर, (निसं)। राजस्थान में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही मुहिम के तहत एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर जयपुर नगर तृतीय की टीम ने मंगलवार एक बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने कोटपूतली-बहरोड़ जिले की नीमराणा तहसील के पटवारी धर्म सिंह को 4,500 रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

मामला कोटपूतली-बहरोड़ जिले के नीमराणा क्षेत्र का है, जहा पटवार हल्का दौसौद के पटवारी धर्म सिंह (जिनके पास रैवाना पटवार हल्के का अतिरिक्त चार्ज भी था) को घूस लेते हुए रंगे हाथों दबोचा गया है। एसीबी की जयपुर नगर तृतीय इकाई को एक पीड़ित ने शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़ित ने बताया कि उसकी ग्राम तलवाना (रैवाना पटवार हल्का, नीमराणा) में एक शामलाती (साझा) जमीन है। अक्टूबर 2025 में उसने इस जमीन पर अपनी बहनों का हक त्याग करवाया था। इसी काम के बदले और म्यूटेशन (नामांतरण) खोलने के नाम पर पटवारी धर्म सिंह उससे 10 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहा था। उस समय पीड़ित के पास पैसों का इंतजाम नहीं था, इसलिए वह पैसे नहीं दे पाया। इसके बाद 22 मई को परिवादी ने अपनी इसी जमीन का सीमांकन करवाने के लिए सरकारी तौर पर आवेदन किया। मौका पाकर पटवारी धर्मसिंह ने फिर से अपनी पुरानी मांग दोहरा दी। उसने जमीन के सीमांकन का काम करने के बदले 10 हजार रुपए और पुराने नामांतरण के काम के बदले 5 हजार रुपए की रिश्वत मांगी। शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने गोपनीय सत्यापन कराया। सत्यापन के दौरान आरोपी पटवारी द्वारा सीमांकन कार्य के लिए 5 हजार रुपए रिश्वत मांगने तथा बाद में 500 रुपए कम कर 4 हजार 500 रुपए लेने पर सहमति जताने के तथ्य सामने आए।

आरोपी पटवारी

- जमीन के सीमांकन का काम करने के बदले दस हजार रुपए और पुराने नामांतरण के काम के बदले पांच हजार की रिश्वत मांगी

इसके बाद एसीबी उप महानिरीक्षक-द्वितीय ओमप्रकाश मीणा के सुपरविजन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्ञान प्रकाश नवल के नेतृत्व में ट्रैप कार्रवाई की गई। एसीबी टीम ने योजनाबद्ध कार्रवाई करते हुए आरोपी पटवारी धर्म सिंह को परिवादी से 4500 रुपए की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। ट्रैप के दौरान रिश्वत भी बरामद कर ली गई। एसीबी अधिकारियों ने बताया कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है। जांच में रिश्वतखोरी से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है।

बीकानेर : नकली बीज मामले में कई खुलासे हुए

श्रीगंगानगर, (निसं)। बीकानेर में नकली बीज मामले में पकड़े गए बीज निगम निदेशक (नामित) जुगलकिशोर बिश्नोई को लेकर बड़े खुलासे हुए हैं। दावा है कि आरोपी के भांजे के पास जो 85 लाख की रकम मिली है वो राजस्थान स्टेट सीड सर्टिफाइड एसोसिएशन से जुड़े एक बड़े एक व्यापारी के पास पहुंचाई जानी थी। ये रुपए श्रीगंगानगर में कृषि विभाग और बीज निगम के अधिकारियों और व्यापारियों में बंटने थे, लेकिन इससे पहले एसीबी ने आरोपियों को पकड़ लिया। डायरेक्टर की गैंग हर महीने व्यापारियों और बीज विक्रेताओं को डरा-धमकाकर पैसे वसूलती थी।

- दावा है कि आरोपी के भांजे के पास जो 85 लाख की रकम मिली है वो राजस्थान स्टेट सीड सर्टिफाइड एसोसिएशन से जुड़े एक बड़े एक व्यापारी के पास पहुंचाई जानी थी
- डायरेक्टर की गैंग हर महीने व्यापारियों और बीज विक्रेताओं को डरा-धमकाकर पैसे वसूलती थी

जानकारी के अनुसार रविवार सात जून को एसीबी की कार्रवाई में जुगलकिशोर बिश्नोई के घर से 1.59 करोड़ रुपए मिले थे। जबकि उसके भांजे स्वतंत्र बिश्नोई को लूणकरणसर में बस से पैसों के साथ गिरफ्तार किया गया था। डायरेक्टर पहले भी करोड़ों का घोटाला कर चुका है। बीज निगम के नामित निदेशक जुगल किशोर समेत 6 आरोपियों को सोमवार को बीकानेर एसीबी स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया। जुगलकिशोर बिश्नोई 2007 में श्रीगंगानगर के गांव में साधारण दूध की डेयरी चलाता था। साल 2008 में बीकानेर शिफ्ट होने के बाद कई पेस्टिसाइड कंपनियों में नौकरी की। इंडोफिल कंपनी में काम करते हुए उन्होंने कथित तौर पर 3 करोड़ रुपए का घोटाला भी किया था, जिसके बाद कंपनी ने उन्हें निकाल दिया था।

एसीबी के अफसरों के अनुसार, रिश्वत लेने के मामले में जुगल बिश्नोई अकेले नहीं है। उसके साथ श्रीगंगानगर जिले के कृषि विभाग से जुड़ी एक बड़ी टीम भी एक्टिव थी। इनमें जिले के कृषि विभाग के 6 अफसरों को जांच टीम ने रडार पर लिया है। किसानों ने बताया कि कृषि विभाग के अधिकारी अनुदानित डिग्गी का वेरिफिकेशन समय पर नहीं करने और गुमराह कर पैसे की मांग करते हैं। किसानों ने इसकी लिखित शिकायत भी की थी। लेकिन बीज निगम डायरेक्टर जुगल बिश्नोई ने अपने प्रभाव के चलते अभी तक कार्रवाई नहीं होने दी। आरोप है कि जुगल बिश्नोई कई महीनों तक बीज के सैंपल की रिपोर्ट अटकाए रखता था। किसानों का कहना है कि नकली बीज का खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है। क्योंकि, बीज विक्रेता किसानों को नकली बीज देते हैं, लेकिन किसानों को तब पता चलता है जब उनकी खेत में फसल नहीं होती।

नकली बीज विक्रेताओं के खिलाफ पैरवी करने वाले एडवोकेट लखविंदर सिंह का दावा है कि अगर एसीबी सही तरीके से जांच करें तो मामले में कई और बड़े नाम भी सामने आ सकते हैं।

हत्या के प्रयास में सात दोषियों को 10-10 साल का कारावास

निवाई, (निसं)। वर्ष 2018 में निवाई थाना क्षेत्र में हुए प्रकरण में विशिष्ट न्यायालय टोंक ने सात आरोपियों को हत्या के प्रयास के मामले में 10-10 वर्ष का कारावास एवं 50 हजार रुपए के जुर्माने से दंडित किया है।

उक्त मामले में एक युवक की आंख की रोशनी स्थायी रूप से चली गई थी। पीठासीन अधिकारी आरती माहेश्वरी ने आरोपी परशुराम, विष्णु, श्रीराम, रमेश, फेलीराम, ओमप्रकाश एवं पप्पूलाल को विभिन्न धाराओं में दोषी माना है। विशिष्ट लोक अभियोजक मेघराज जाट ने बताया कि 10 जनवरी 2018 को परिवादी कैलाश ने निवाई थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह अपने साथियों के साथ सुरेश के कुएं की ओर जा रहा था, तभी आरोपियों ने रास्ता रोककर लाठी, तलवार व बंदूक से हमला कर दिया। मारपीट के दौरान परशुराम ने बंदूक से फायर किया, जिससे सुरेश गंभीर रूप से घायल हो गया। हमले में उसकी एक आंख की रोशनी हमेशा के लिए चली गई थी। अन्य लोगों को भी चोटें आई थीं। न्यायालय में सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद न्यायालय ने आरोपियों को दोषी करार देते हुए 10 वर्ष का कारावास एवं 50 हजार रुपए के जुर्माने से दण्डित किया है।

- कोर्ट ने आरोपियों पर 50 हजार का जुर्माना भी लगाया

चलती ट्रेन में महिला ने बच्चे का जन्म दिया

कोटा, (निसं)। पश्चिम-मध्य रेलवे के कोटा मंडल में रेलवे की त्वरित चिकित्सा व्यवस्था और मानवीय संवेदनशीलता का उदाहरण उस समय देखने को मिला, जब वलसाड-सुबेदारगंज स्पेशल ट्रेन में यात्रा कर रही 24 वर्षीय सोनी देवी को अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हो गई।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि 8 जून की रात 2.50 बजे रेलवे वाणिज्य नियंत्रण कक्ष को सूचना प्राप्त हुई कि वलसाड से फतेहपुर सीकरी जा रही महिला यात्री को ट्रेन में प्रसव पीड़ा हो रही है। सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन ने तत्काल चिकित्सा दल को अलर्ट किया तथा कोटा जंक्शन पर आवश्यक चिकित्सकीय व्यवस्था सुनिश्चित की।

गाड़ी के रात्रि 3.15 बजे कोटा जंक्शन पहुंचने पर भारी वर्षा के बावजूद रेलवे चिकित्सकीय दल, जिसमें डॉ. सना जमील (सीएमपी) एवं स्टॉफ ड्रेसर अकीला बानो शामिल थीं, तुरंत मौके पर पहुंचा। दल के पहुंचने तक शिशु का जन्म हो चुका था। इसके बाद चिकित्सा दल ने तत्काल स्थिति का आंकलन करते हुए नवजात की नाभिनाल की एंटीसेप्टिक सफाई एवं स्टेराइल क्लैम्पिंग की तथा माँ की प्रसवोत्तर चिकित्सकीय जांच की। साथ ही माँ और नवजात के स्वास्थ्य की गहन निगरानी की गई। जांच में नवजात स्वस्थ बालक पाया गया। चिकित्सा दल ने मां एवं नवजात को बेहतर देखभाल के लिए अस्पताल जाने की सलाह दी, लेकिन परिजनों ने यात्रा जारी रखने का निर्णय लिया। इस पर रेलवे द्वारा आवश्यक दवाईयां उपलब्ध कराई गई तथा नवजात एवं प्रसूता की देखभाल संबंधी आवश्यक परामर्श दिया गया। प्रस्थान के समय सोनी देवी एवं उनका नवजात पुत्र दोनों स्वस्थ और सुरक्षित थे।

सूरजगढ़ में सायबर फ्रॉड का आरोपी गिरफ्तार

सूरजगढ़/झुंझुनूं, (निसं)। सायबर अपराधों के खिलाफ सूरजगढ़ थाना पुलिस ने बैंक खाते और डिजिटल भुगतान सुविधाओं का दुरुपयोग कर सायबर ठगी के लिए इस्तेमाल करने वाले आरोपी रवि कुमावत (24) पुत्र श्यामलाल निवासी वार्ड संख्या 25, सूरजगढ़ को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपने साथी के साथ मिलकर एक व्यक्ति को झांसे में लेकर उसका मोबाइल और फोन-पे संबंधी जानकारी हासिल की तथा उसके बैंक खाते के माध्यम से करीब 5 लाख रूपये के संदिग्ध ट्रांजेक्शन कराए। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है।

पुलिस के अनुसार, 22 अप्रैल को सूरजगढ़ निवासी महेन्द्र सैनी ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि रवि कुमावत और उसके साथी अंकित ने उसकी बहन के प्लॉट के लिए राशि जमा कराने का बहाना बनाकर उसका मोबाइल फोन और फोन-पे की जानकारी प्राप्त कर ली। आरोपियों ने मोबाइल एक दिन तक अपने कब्जे में रखा और इस दौरान उसके बैंक खाते तथा डिजिटल भुगतान सुविधाओं का उपयोग किया। कुछ समय बाद महेन्द्र सैनी को अपने बैंक खाते में असामान्य गतिविधियों का पता चला। जांच करने पर खाते में करीब 5 लाख रूपये के संदिग्ध लेन-देन सामने आए तथा खाते पर सायबर होल्ड लगा हुआ पाया गया।

जब उसने आरोपियों से पूछताछ की तो उन्होंने स्वीकार किया कि खाते का उपयोग अन्य लोगों से राशि मंगवाकर आगे ट्रांसफर करने के लिए किया गया था। प्राथमिक जांच में सामने आया कि आरोपियों ने धोखे से मोबाइल और बैंकिंग सुविधाओं तक पहुंच हासिल कर परिवादी के खाते को सायबर अपराध में इस्तेमाल किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया। जांच के दौरान पुलिस ने परिवादी और गवाहों के बयान दर्ज किए, बैंक स्टेटमेंट का विश्लेषण किया तथा सायबर पोर्टल पर दर्ज शिकायतों की पड़ताल की। तकनीकी और दस्तावेजी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी रवि कुमावत से पूछताछ की गई, जिसमें उसके खिलाफ आरोप प्रमाणित पाए गए। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस अब इस बात की गहन जांच कर रही है कि आरोपी ने किन-किन लोगों से बैंक खाते प्राप्त किए और उन्हें आगे किन व्यक्तियों या गिरोहों को उपलब्ध कराया। सायबर फ्रॉड के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही है। पुलिस का मानना है कि पूछताछ में कई महत्वपूर्ण खुलासे हो सकते हैं।

- प्लॉट की रकम जमा कराने के बहाने हथियाया मोबाइल, खाते से पांच लाख के संदिग्ध ट्रांजेक्शन कराए

ट्रेन से कटकर महिला और दो बच्चों की मौत

हिण्डौन सिटी, (निसं)। हिण्डौन के सूरौठ थाना क्षेत्र में मंगलवार को हुक्मीखेड़ा रेलवे स्टेशन के पास एक दर्दनाक रेल हादसा हो गया। ट्रेन की चपेट में आने से एक महिला और उसके दो मासूम बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की अभी शिनाख्त नहीं हो पाई है। तीनों के शव हिण्डौन के जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए हैं।

- मृतकों की शिनाख्त नहीं हो पाई, शव जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए

जीआरपी, आरपीएफ अधिकारियों के अनुसार सूचना मिली की हुक्मीखेड़ा रेलवे स्टेशन के पास जयपुर बयाना पैसेंजर ट्रेन से कटकर एक महिला और दो मासूम बच्चों की मौत हो गई है। जिस पर मौके पर पहुंचे तो वहां लोगों की भीड़ जमा थी।

पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। ट्रेन से कटने के कारण तीनों शव क्षत-विक्षित हो गए। मौके पर मौजूद किसी के द्वारा तीनों के शव की शिनाख्त नहीं गई। जिसके बाद पुलिस ने तीनों के शव को हिण्डौन के जिला अस्पताल की मोर्चरी में पहुंचाया। पुलिस उनकी शिनाख्त के प्रयास कर रही है तथा हादसे के कारणों की जांच भी जारी है। पुलिस सोशल मीडिया और पुलिस थानों के माध्यम से मृतकों की शिनाख्त करने में जुटी है।

ट्रायल रूम में महिलाओं के वीडियो बनाने वाला दुकानदार गिरफ्तार

चिड़ावा, (निसं)। चिड़ावा कस्बे में एक कपड़ा दुकान के ट्रायल रूम में महिलाओं के आपत्तिजनक वीडियो रिकॉर्ड करने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी दुकानदार को गिरफ्तार कर उसका मोबाइल फोन जब्त कर लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस डिजिटल साक्ष्यों की गहन जांच में जुटी हुई है।

पुलिस के अनुसार पीड़िता अपने पति के साथ चिड़ावा स्थित जमजम कलेक्शन पर कपड़े खरीदने गई थी। इस दौरान वह ट्रायल रूम में कपड़े बदल रही थी, तभी उसे ऊपर बने एक छेद से एक युवक मोबाइल फोन के जरिए वीडियो रिकॉर्डिंग करता दिखाई दिया। संदेह होने पर दंपती तुरंत ट्रायल रूम से बाहर आए और संबंधित युवक को पकड़कर उसका मोबाइल फोन चेक किया। मोबाइल में महिला के कपड़े बदलते समय का वीडियो मिलने पर उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और प्रारंभिक जांच के बाद आरोपी को हिरासत में लिया। पीड़िता की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी दुकान संचालक शाहरूख शेख (28) पुत्र शेर मोहम्मद शेख ट्रायल रूम में महिलाओं की निजता का उल्लंघन करते हुए मोबाइल फोन से वीडियो रिकॉर्डिंग कर रहा था।

20 करोड़ की सायबर ठगी का मास्टरमाइंड बीकानेर से गिरफ्तार

बीकानेर, (निसं)। पुलिस को सायबर अपराध के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। सायबर पुलिस थाना और खाजूवाला पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में देश के विभिन्न राज्यों में दर्ज 25 सायबर ठगी मामलों के कथित मास्टरमाइंड को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी पर 20 करोड़ रुपये से अधिक की सायबर ठगी की राशि के लेनदेन का आरोप है।

बीकानेर रेंज आईजी ओमप्रकाश और कार्यवाहक पुलिस अधीक्षक विशाल जांगिड़ के निर्देशन में सायबर थाना प्रभारी शालिनी बजाज के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। टीम ने खाजूवाला थाना क्षेत्र के चक 14 बीडी निवासी 23 वर्षीय विष्णु बिश्नोई को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी विष्णु बिश्नोई सायबर ठगी करने वाले संगठित गिरोह से जुड़ा हुआ था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि उसने अपने और अन्य लोगों के बैंक खातों के माध्यम से 20 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का लेनदेन किया।

- देशभर में आरोपी के खिलाफ 25 सायबर ठगी शिकायतें दर्ज बताई जा रही हैं
- बॉर्डर इलाके से देशभर में कर ठगी रहा था, क्रिप्टो करेंसी और हवाला से रुपए पहुंचाता था

देशभर में उसके खिलाफ 25 सायबर ठगी शिकायतें दर्ज बताई जा रही हैं।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी ठगी से प्राप्त राशि को विभिन्न बैंक खातों में जमा करवाता था। इसके बाद वह राशि को एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से यूएसडीटी (क्रिप्टो करेंसी) में परिवर्तित कर सायबर ठगी गिरोह तक पहुंचाता था। इस पूरी प्रक्रिया के बदले वह लगभग 10 प्रतिशत कमीशन अपने पास रखता था। पुलिस के अनुसार जब सायबर शिकायतों के कारण बैंक खाते बंद हो जाते थे, तब आरोपी हवाला नेटवर्क का इस्तेमाल कर ठगी की रकम गिरोह तक पहुंचाता था। इससे जांच एजेंसियों की नजर से बचने का प्रयास किया जाता था। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी ने कई लोगों के बैंक खातों का उपयोग किया। अब सायबर पुलिस और खाजूवाला पुलिस उन खाताधारकों से पूछताछ कर रही है, जिनके खातों के जरिए रकम का लेनदेन हुआ। कार्रवाई में सायबर थाना बीकानेर की टीम के साथ खाजूवाला थानाधिकारी सुरेंद्र प्रजापत और उनकी टीम भी शामिल रही। पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच जारी है और पूछताछ के आधार पर सायबर ठगी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका भी सामने आ सकती है। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि यह मामला केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं है। सायबर ठगी, क्रिप्टो करेंसी और हवाला के जरिए संचालित इस नेटवर्क की परतें खुलने के साथ कई और बड़े खुलासे होने की संभावना है।

खैरथल व किशनगढ़ बास में संचालित अन्नपूर्णा रसोई के निरीक्षण में कई खामियां मिलीं

किशनगढ़ बास, (निसं)। गरीबों को आठ रुपये में भरपेट सम्मान का निवाला देने वाली अन्नपूर्णा रसोई में ही 'अन्न का अनादर' हो रहा है। इसका मालूम तब चला जब राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खैरथल-तिजारा शैलेंद्र व्यास के आदेशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव अजीत कुड़ी मंगलवार को अन्नपूर्णा रसोइयों के निरीक्षण करने के लिए खैरथल और किशनगढ़ बास के बास कृपाल नगर में संचालित हो रही गरीबों के लिए खुली रसोई पर पहुंचे। कहीं कूलर खराब मिला तो कहीं खाने की गुणवत्ता बेहद खराब पाई।

सचिव अजीत कुड़ी ने सबसे पहले जिला मुख्यालय खैरथल में गुप्ता नर्सिंग होम के सामने संचालित रसोई क्रमांक 670 का निरीक्षण किया। कंप्यूटर ऑपरेटर पृथ्वी सिंह ने बताया कि यहां खाना दूसरी जगह से बनकर आता है और रोज 90 से 100 लोग खाते हैं। मौके पर कूलर खराब मिला और खाने की गुणवत्ता मानकों पर खरी नहीं उतरी। खाना खा रहे एक श्रमिक ने खुद सचिव को बताया कि यहां गुणवत्तापूर्ण भोजन नहीं मिलता। इस पर सचिव ने संचालक को कड़ी फटकार लगाई और तुरंत कूलर ठीक कराने के निर्देश दिए। इसके बाद जिला सचिव अजीत कुड़ी खैरथल में संचालित दूसरी रसोई क्रमांक 106 भूडावाली का निरीक्षण करने के लिए पहुंचे जहां साफ सफाई और सुविधाओं से लेकर सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक मिली। सबसे गंभीर हालात किशनगढ़ के बास के बास कृपाल नगर की रसोई क्रमांक 681 में मिले। जहां खाने की गुणवत्ता बेहद खराब थी। कंप्यूटर ऑपरेटर ने रिकॉर्ड में 56 लोगों को खाना खिलाना बताया, जबकि खाना बनाने वाली महिला ने कहा कि सिर्फ 10 लोगों का खाना बनाया है। यानी 46 लोगों के नाम पर फर्जीवाडा किया गया। इससे भी बड़ा खुलासा तब हुआ जब मौके पर तीन बिजली के हीटर मिले। रसोई में गैस सिलेंडर की जगह हीटरों से खाना बनाया जा रहा था। यानी कि यहां पर गरीबों के खाने में ही नहीं बिजली चोरी कर भी सरकार के राजस्व को नुकसान पहुंचाया जा रहा था। इन गंभीर अनियमितताओं पर सचिव अजीत कुड़ी ने स्टाफ को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने निर्देश दिए कि जरूरतमंदों को गुणवत्तापूर्ण और पौष्टिक भोजन मिले, रसोई में स्वच्छता और मानकों का पूरा पालन हो। अन्नपूर्णा रसोई का मकसद गरीब को सम्मान से निवाला देना है। इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। हिदायत देने के साथ जिला सचिव ने निरीक्षण के दौरान मिली गडबड़ियों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर उच्चाधिकारियों को कार्रवाई के लिए भेज दी है।

जिला सचिव अजीत कुड़ी ने अन्नपूर्णा रसोई का निरीक्षण कर खाने की गुणवत्ता जांची।

- खैरथल में संचालित रसोई क्रमांक 670 के कंप्यूटर ऑपरेटर ने बताया कि यहां खाना दूसरी जगह से बनकर आता है और रोज 90 से 100 लोग खाते हैं
- बास कृपाल नगर में 100 की जगह 10 का खाना बना मिला, कम्प्यूटर रिकॉर्ड में 56 नाम दर्ज

जंगली जानवर ने तीन बकरियों का शिकार किया

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी उपखंड के लूना की ढाणी में मंगलवार को जंगली जानवर ने तीन बकरियों पर हमला कर दिया। जंगली जानवर के हमले से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। जानकारी के अनुसार जंगली जानवर ने पशुपालक प्रभु दयाल गुर्जर की तीन बकरियों पर हमला कर दिया, जिसमें एक बकरी की मौके पर ही मौत हो गई, एक बकरी को पैंथर उठाकर ले गया तथा एक अन्य बकरी गंभीर रूप से घायल हो गई।

जानकारी के अनुसार बाड़े के पास चर रही बकरियों को अपना शिकार बनाया गया। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए। ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना देकर जंगली की तलाश और मवेशियों की जंगली जानवरों से सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग की। सूचना मिलने पर वन विभाग के रेंजर पवन सिंह शेखावत अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। वन विभाग की टीम ने पगमार्क और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू कर दी है। विभाग द्वारा आसपास के क्षेत्र में निगरानी बढ़ाई गई है तथा ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

अफीम सहित बुजुर्ग गिरफ्तार

सीकर, (निसं)। सीकर की उद्योग नगर थाना पुलिस ने सीकर में अफीम की सप्लाई देने आए 62 साल के बुजुर्ग को गिरफ्तार किया है। बुजुर्ग के पास से 100 ग्राम अफीम मिली। जिसे पुलिस ने जप्त करके मुकदमा दर्ज करके इन्वेस्टिगेशन शुरू कर दिया है। एसएचओ राजेश कुमार बुडानिया ने बताया कि ह्यूमन इंटेलिजेंस की सूचना पर कार्रवाई को अंजाम देते हुए आरोपी मूलाराम (62) पुत्र स्व.पोकरराम रैगर निवासी रैगरों का मोहल्ला, नीम की गुवाड़ी कूकनवाली, चितावा को गिरफ्तार कर 100 ग्राम अफीम जप्त की गई है। पुलिस टीम को ह्यूमन इंटेलिजेंस के जरिए सूचना मिली थी।